

**BENGALI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORTS, PRÉCIS WRITING,  
COMPOSITION AND TRANSLATION**

Time Allowed—3 Hours

Full Marks—200

*If the questions attempted are in excess of the prescribed number, only the questions  
attempted first up to the prescribed number shall be valued and  
the remaining ones ignored.*

1. নিম্নলিখিত যে কোনো একটি বিষয় সম্পর্কে আপনার অভিমত কোনো বাংলা দৈনিক পত্রিকার সম্পাদকের কাছে অনধিক ১৫০ শব্দের মধ্যে পত্রাকারে বিবৃত করুনঃ 40  
(নাম-ঠিকানার পরিবর্তে X,Y,Z লিখুন)  
(ক) বিজ্ঞানমনস্কতা ও কুসংস্কার  
(খ) পরিবেশ দূষণ ও তার প্রতিকার  
(গ) নারী নির্যাতন : ঘরে ও বাইরে
2. নিম্নলিখিত বিষয় সম্পর্কে ২০০ শব্দের মধ্যে একটি সম্পাদকীয় প্রতিবেদন লিখুনঃ 40  
'বাক স্বাধীনতার অধিকার সর্বাপেক্ষা জরুরি'
3. নিম্নলিখিত অংশের সারমর্ম লিখুনঃ 40  
পৃথিবীতে যাহার দিকে তাকাও দেখিবে— সে নিজের অবস্থায় অসন্তুষ্ট। দরিদ্র্য কিসে ধনী হইবে সেই চিন্তায় উদ্ভিগ্ন; ধনী চোর-ডাকাতের ভয়ে ত্রস্ত, রাজা শত্রুর ভয়ে ভীত। এককথায় পৃথিবীতে এমন কেহ নাই যে পূর্ণ সুখে সুখী। অথচ কৌতুকের বিষয় এই— পৃথিবী ছাড়িয়া যাইতেও কেহ প্রস্তুত নহে। মৃত্যুর নাম শুনিলেই দেখি মানুষের মন শুকাইয়া যায়। মানুষ যতই দরিদ্র্য হউক, সপ্তাহের পর সপ্তাহ, যদি অনাহারে কাটাতেই হয়, পৃথিবী কোনো আরামই যদি ভাগ্যে না থাকে তথাপি সে মৃত্যুকে চাহে না। সে যদি কঠিন পীড়ায় পীড়িত হয়, যদি শয্যা হইতে উঠিবার শক্তিও না থাকে, তথাপি সে মৃত্যুর প্রার্থী হইবে না। কে না জানে যে শত বৎসরের পরমায়ু থাকিলেও একদিন না একদিন মরিতে হইবে।
4. অনুচ্ছেদটি পাঠ করে তার ভিত্তিতে নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির উত্তর দিনঃ 10×4=40  
জন্তুর অবস্থাও যেমন, স্বভাবও তার অনুগত। তার বরাদ্দও যা, কামনাও তার পিছনে চলে বিনা বিদ্রোহে। তার যা পাওনা তার বেশি তার দাবি নেই। মানুষ বলে বসল, 'আমি চাই উপরি-পাওনা।' বাঁধা বরাদ্দের সীমা আছে, উপরি-পাওনার সীমা নেই। মানুষের জীবিকা চলে বাঁধা বরাদ্দে, উপরি-পাওনা দিয়ে প্রকাশ পায় তার মহিমা।  
জীবনধর্মরক্ষার চেষ্ঠাতেও মানুষের নিরন্তর একটা দ্বন্দ্ব আছে। সে হচ্ছে প্রাণের সঙ্গে অপ্ৰাণের দ্বন্দ্ব। অপ্ৰাণ আদিম, অপ্ৰাণ বিরাট। তার কাছ থেকে রসদ সংগ্রহ করতে হয় প্রাণকে, মালমসলা নিয়ে গড়ে তুলতে হয় দেহযন্ত্র। সেই অপ্ৰাণ নিষ্ঠুর মহাজনের মতো, ধার দেয় কিন্তু কেবলই টানাটানি করে ফিরে নেবার জন্যে, প্রাণকে দেউলে করে দিয়ে মিলিয়ে দিতে চায় পঞ্চভূতে।  
এই প্রাণচেষ্ঠাতে মানুষের শুধু কেবল অপ্ৰাণের সঙ্গে প্রাণের দ্বন্দ্ব নয়, পরিমিতের সঙ্গে অপরিমিতের। বাঁচবার দিকেও তার উপরি-পাওনার দাবি। বড়ো করে বাঁচতে হবে, তার অন্ন যেমন-তেমন নয়; তার বসন, তার বাসস্থান কেবল কাজ চালাবার জন্যে নয়— বড়োকে প্রকাশ করবার জন্যে। এমন-কিছুকে প্রকাশ, যাকে সে বলে থাকে 'মানুষের প্রকাশ', জীবনযাত্রাতেও যে প্রকাশে ন্যূনতা ঘটলে মানুষ লজ্জিত হয়। সেই তার বাড়তি ভাগের প্রকাশ নিয়ে মানুষের যেমন দুঃসাধ্য প্রয়াস এমন তার সাধারণ প্রয়োজন মেটাবার জন্যও নয়। মানুষের মধ্যে যিনি বড়ো আছেন, আহারে বিহারেও পাছে তাঁর অসম্মান হয় মানুষের এই এক বিষম ভাবনা।

Please Turn Over



খাজু হয়ে চলতে গিয়ে প্রতি মুহূর্তেই মানুষকে ভারাকর্ষণের বিরুদ্ধে মান বাঁচিয়ে চলতে হয়। পশুর মতো চলতে গেলে তা করতে হত না। মনুষ্যত্ব বাঁচিয়ে চলাতেও তার নিয়ত চেষ্টা, পদে পদেই নীচে পড়বার শঙ্কা। এই মনুষ্যত্ব বাঁচানোর দ্বন্দ্ব মানবধর্মের সঙ্গে পশুধর্মের দ্বন্দ্ব, অর্থাৎ আদর্শের সঙ্গে বাস্তবের।

- (ক) 'জন্তুর অবস্থাও যেমন, স্বভাবও তার অনুগত' বলতে লেখক কী বোঝাতে চেয়েছেন?
- (খ) 'প্রাণের সঙ্গে অপ্রাণের দ্বন্দ্ব' বিষয়টি কী?
- (গ) 'মানুষের প্রকাশ' বলতে লেখক কী বুঝিয়েছেন?
- (ঘ) মনুষ্যত্ব বাঁচানোর দ্বন্দ্বকে 'আদর্শের সঙ্গে বাস্তবের' দ্বন্দ্ব হিসাবে দেখা হল কেন?

5. নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদটি বঙ্গানুবাদ করুন :

40

One day Sir Isaac Newton went out of his room leaving on the table a heap of papers containing his long research on the theory of light. There was on the floor of the room lying his pet dog, Diamond. No sooner had he gone then the dog jumped upon the table and upturned the lighted candle and the papers immediately caught fire. Returning after a few minutes Newton found that all his hard labour of twenty years had been reduced to ashes. But the great scientist patted the dog on the head exclaiming, "Oh; Diamond, you don't know what you have done!"



2018

**HINDI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORT, PRÉCIS WRITING,  
COMPOSITION AND TRANSLATION**

Time Allowed—3 Hours

Full Marks—200

*If the questions attempted are in excess of the prescribed number, only the questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and remaining ones ignored.*

1. Write a letter in about 150 words (*any one*): 40  
(Write XYZ for Name and Address)  
(क) बढ़ते प्रदूषण का दुष्प्रभाव  
(ख) जीवन में त्यौहारों का महत्त्व  
(ग) मोबाइल के अंधाधुंध प्रयोग से होने वाले नुकसान।
2. Draft a report in about 200 words: 40  
आँखों देखी रेल दुर्घटना
3. Write a précis of the following passage in Hindi (Use the special sheet provided for the purpose): 40  
मानव के विभिन्न मनोविकारों में क्रोध का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। इस मनोविकार के कारण मनुष्य अपने स्वरूप को त्याग कर दानव हो जाता है। क्रोध के प्रभाव से उसके चेहरे का रूप और उसके घाव-भाव बदल जाते हैं। क्रोध के लक्षणों में लाल आँखें, आरक्त चेहरा, दृढ़ता से सटे ओठ तथा फुले हुए कपोल हो सकते हैं। कभी कभी मनोविकार में दौल भी भिंच जाते हैं। वाणी में रुखापन और कठोरता आ जाती है। इस अवस्था में उसके सामने दर्पण ले जाने पर वह अपने भयानक चेहरे तथा उसके भावों के कारण खुद को ही नहीं पहचान पाएगा। क्रोध के कारण मनुष्य का विवेक नष्ट हो जाता है, जिसका प्रभाव उसकी चिंतन शक्ति पर पड़ता है। चिंतन शक्ति का विकास जहाँ व्यक्ति को प्रगति के मार्ग की ओर अग्रसर करता है, वहीं क्रोध उसके कार्य की प्रगति को अवरुद्ध कर देता है। इस विकार के कारण व्यक्ति अपनी तथा दूसरे दोनों की दृष्टि में गिर जाता है। ऐसा व्यक्ति कुछ-कुछ सनकी, हठी और अहंकारी हो जाता है। उसमें दूसरे के प्रति करुणा और सहानुभूति की भावना नहीं रहती। समाज में उसे कोई सम्मान नहीं मिलता और मिलता भी है तो उसमें अपनत्व की भावना नहीं रहती। कई बार क्रोध में आपा खोकर व्यक्ति अनर्थ भी कर बैठता है। अतः सभी विद्वान, समझदार तथा सहानुभूति से पूर्ण व्यक्ति हमेशा यही शिक्षा देते हैं— कि इस हानिकारक विकार से बचने का प्रयत्न करना चाहिए क्योंकि क्रोध अक्सर हमारे लिए अभिशाप बन जाता है, वरदान नहीं।
4. Write a composition on the following topic: 40  
भ्रष्टाचार का सामाजिक जीवन पर प्रभाव ( भ्रष्टाचार का अर्थ.....भ्रष्टाचार के रूप: रिश्वत, कामचोरी, मिलावट, मुनाफाखोरी, भाई-भतीजावाद, कालाबाजारी, जमाखोरी आदि..... भ्रष्टाचार के कारण..... भ्रष्टाचार का समाज पर प्रभाव..... भ्रष्टाचार की समस्या से मुक्त होने के रास्ते)

Please Turn Over

5. Translate into Hindi:

40

One day Sir Isaac Newton went out of his room leaving on the table a heap of papers containing his long research on the theory of light. There was on the floor of the room lying his pet dog, Diamond. No sooner had he gone than the dog jumped upon the table and upturned the lighted candle and the papers immediately caught fire. Returning after a few minutes Newton found that all his hard labour of twenty years had been reduced to ashes. But the great scientist patted the dog on the head exclaiming, "Oh; Diamond, you don't know what you have done!"

---

2018

## URDU LETTER WRITING, PRECIS WRITING, COMPOSITION AND TRANSLATION

Time Allowed—3 Hours

Full Marks—200

If the questions attempted are in excess of the prescribed number, only the questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and the remaining ignored.

The figures in the margin indicate marks for each questions.

All questions carry equal marks.

1. Write a letter from the following topics to the editor of an Urdu newspaper in 150 words. Write X, Y, Z instead of your name. 40

(الف) ہندوستان میں جمہوریت کی بقا و تحفظ کا مسئلہ  
(ب) ماحولیاتی آلودگی ملک کی ترقی میں رکاوٹ ہے  
(ج) صحت مند معاشرہ کی تکمیل میں خواتین کا کردار

2. Draft a report on the following topic in 200 words. 40

جدید ٹیکنالوجی کی دنیا میں اردو کی ترقی کے امکانات

3. Write a precis of the following passage in Urdu. (Use special sheet provided for this purpose) 40

درج ذیل اقتباس کی تلخیص پیش کیجئے (تلخیص کے لئے مہیا شدہ کاغذ کا استعمال کیجئے)  
۱۸۵۷ء کا بنگامہ جسے انگریز مورخ غدر کہہ کر پکارتے ہیں کوئی اتفاقی حادثہ نہ تھا۔ حقیقت یہ ہے کہ جس دن سے انگریزوں نے اس ملک پر پاؤں جمائے تھے اسی دن سے تحریک آزادی کی چنگاریاں بھی سلگنے لگی تھیں۔ مسلمانوں کے دل سے طبعاً اغیار کی حکومت کے برخلاف جذبے کا رنگ چوکھا تھا۔ کیونکہ انگریزوں نے ان ہی کی عظمت کے خوابوں پر اپنی بنائے مملکت استوار کی تھی۔ بہر حال ۱۸۵۷ء ملک پر گہرے اور دیرپا اثرات پیدا کر کے رفع ہو گیا جن دنوں تحریک آزادی عروج پر تھی ان ہی دنوں انگریزوں نے یہ کہنا شروع کیا تھا کہ جب تک مسلمانوں کے رہے سبے اقتدار کو ملیاٹ نہیں کر دیا جائے گا انگریزی حکومت کی بنیادیں استوار نہیں ہوں گی۔

Please Turn Over



تحریک آزادی کے فرد ہونے کے بعد انگریزوں کی نئی حکمت عملی کے آثار ظاہر ہونا شروع ہوئے۔ مسلمان امیروں اور جاگیرداروں کی ریاستیں ختم کر دی گئیں۔ مسلمانوں کو چن چن کر تہ تیغ کیا گیا۔ ملک میں مسلمانوں کی حکومت کی آخری علامت یعنی بہادر شاہ ظفر کو رنگون بھیج دیا گیا۔ اور صحیح معنوں میں ہندوستان میں فرنگی عملداری قائم ہو گئی۔ مسلمانوں کے لئے یہ بڑا نازک مقام تھا۔ ایک تو یہ کہ وہ سیاسی طور پر کچلے جا رہے تھے۔ دوسرے یہ کہ اقتصادی طور پر بھی ان کو بے حال بنانے کی کوششیں جاری تھیں۔ اس وقت سرسید احمد خاں نے ہندوستانی مسلمانوں کی ایسے اسلوب سے رہنمائی کی باید و شاید۔ سرسید نے بجا طور پر محسوس کر لیا تھا کہ انگریز اس موقع پر ہر اس تحریک کو سختی سے کچل دیں گے جس میں کسی خاص عنصر کی آمیزش ہو یا جو مسلمانوں کے سیاسی شعور کو بیدار کرنے کی صلاحیت رکھتی ہو۔ اس لئے سرسید احمد خاں نے مسلمانوں کے بچے کچے ذوق عملی کا رخ موڑ کر ایک نئی تحریک کی بنیاد ڈالی۔ جس کے حیرت انگیز اثرات رونما ہونے والے تھے۔ اس تحریک کا مقصد یہ تھا کہ انگریزوں کے ہتھیاروں سے مسلح ہو کر حملہ کیا جائے۔ اور اس حملے کی رفتار ایسی ہو کہ جب تک کاری اور مہلک ضرب لگانے کا مقام نہ آئے اس وقت تک انگریزوں کی نوعیت سے بالکل باخبر نہ ہونے پائیں۔

سرسید احمد خاں نے اس حملے کے مقدمات پر قرار دیئے:-

- (۱) مسلمانوں کو انگریزی تعلیم اور انگریزی علوم و فنون سے باخبر کیا جائے تاکہ وہ مغرب کے بڑھتے ہوئے سیلاب کو کامیابی سے روک سکیں۔
- (۲) مسلمانوں کے دل میں اپنی تمدنی اور ثقافتی عظمت کا احساس پیدا کیا جائے تاکہ وہ اپنی کھوئی ہوئی جرأت کو دوبارہ حاصل کرنے میں کوشاں ہوں۔
- (۳) تعلیم کے ذریعے مسلمانوں کے سیاسی شعور کو آہستہ آہستہ ایسی ارتقا یافتہ شکل دی جائے کہ وہ انگریزوں کی حکومت کا جو آہستہ آہستہ اپنے کندھوں سے اتار پھینکیں۔

سرسید احمد خاں نے اس تحریک کو کامیاب بنانے کے لئے طبعاً ادب کا وسیلہ ڈھونڈا اور رفتہ رفتہ انھوں نے اپنے ارد گرد ایسے لوگوں کو جمع کر لیا جو ہر طرح ان کے محرم راز تھے۔ انہیں لوگوں نے تخلیقات ادب کے ذریعے آہستہ آہستہ وہ چنگاریاں سلگائیں جن کو شعلے بن کر بر عظیم ہندو پاکستان کو اپنی لپیٹ میں لینا تھا۔ سرسید احمد خاں کا منصوبہ کتنا منظم تھا۔ اس کا اندازہ صرف اس سے ہو سکتا ہے کہ آزادی کی جدوجہد کے اب تک جتنے چشمے پھوٹے ہیں ان کا ماخذ منبع انہی لوگوں کی تحریریں تھیں جو سرسید کے رفقاء کے کار تھے۔

4. Read the following text carefully and write the answers of the questions.

40

درج ذیل متن کو غور سے پڑھئے اور نیچے دیئے گئے سوالوں کے جواب لکھئے۔

”غزل اردو شاعری کی محبوب ترین صنف ہے۔ جو ہر دور میں سر تا سر تا رہی ہے۔ اپنے ابتدائی دور میں غزل کا محور حسن کے کرشمے، عشق کے ولولے، ہجر کے شکوے، وصل کی شادمانیاں، رقیب کی روسایاں وغیرہ ہیں۔ قلی قطب شاہ نے اس صنف کے توسط سے اپنے دردِ دل کی آمیزش کے ساتھ دلی کی زبانوں کی حالی اور حکومت کے زاول کا پردہ اس طرح چاک کیا کہ ان کی غزل دل اور دلی کا مرثیہ بن گئی۔ سودا غزل کی وساطت سے اپنی فعالیت، مردانہ تیور، پُر شکوہ، باوقار اور بلند آہنگ الفاظ کے ساتھ اپنے عہد کے انتشار سے برسرِ پیکار کو اپنے بھجویہ اور مدحیہ قصائد نیز

شہر آشوبوں میں پیش کرتے رہے۔ درد نے اسی صنف میں تصوف کے رموز و نکات کی تشریح و تعبیر پیش کی۔ لکھنؤ کے شعراء نے غزل میں انسانیت اور ہوس کے موضوع کو مختلف پہلوؤں سے پیش کیا۔ غالب کے تفکر اور ان کی جمالیاتی شخصیت کے آئینے میں مذکورہ صنف حیات و کائنات کے گہرے مسائل سے متعلق سوالات قائم کرنے کی بھی اہل نظر آئی۔ اس طرح غالب نے غزل کو اور بھی وسعت بخشی۔ اقبال نے اس صنف سخن کے توسط سے سوئی ہوئی قوم کو عروج و ترقی اور خود اعتمادی و خود اداری کے ہنر سکھائے۔ اسی طرح غزل میں مختلف جذبات و احساسات کے اظہار کے علاوہ زندگی کے دوسرے مسائل، افراد کے ذہنی رویے، عصری زندگی کی گھٹن، اقدار کی شکست، ورہخت، رشتوں کی پامالی، مبینہ زندگی کی لعنتیں، بے سمی، بے تعلقی، داخلی تفکر، کرب و اضطراب، بے چہرگی، خوف، تنہائی، بے بسی، ناامیدی کی نفسیات میلان و رجحان کی حساس داخلی ترجمانی جدید غزل کا موضوع بن گئی۔ اس طرح ہم کہہ سکتے ہیں کہ وقت اور ضرورت کے تقاضے کے پیش نظر اردو غزل نے اپنے دامن کو وسیع کیا، اور زندگی کے گونا گوں موضوعات و مسائل کی ترجمانی کی۔ معاشرتی و تمدنی مسائل سے لے کر فلسفیانہ مویشگانیاں، تصوف کے رموز و نکات، سیاسی شعبہ بازیاں غرض تمام موضوعات کی ترجمانی اپنے مخصوص سانچے میں ڈھال کر بڑی خوبی کے ساتھ کی۔ لیکن یہ حقیقت بھی اپنی جگہ مسلم ہے کہ اپنے مزاج اور اپنی مخصوص شناخت کو غزل نے کبھی نہیں چھوڑا۔ اس کی زمزیت اور ایمانیت بدستور قائم رہی۔ جو اس کا سب سے بڑا حسن ہے اور جس سے شعر کی معنویت میں تنوع اور یزگی پیدا ہوتی ہے۔“

- 10 ۱۔ غزل کے مزاج اور اس کی مخصوص شناخت کی نشاندہی کیجئے۔
- 10 ۲۔ دبستان دہلی اور لکھنؤ کی غزل گوئی کی اہم خصوصیات پر روشنی ڈالئے۔
- 8 ۳۔ جدید غزل کے بنیادی محرکات کیا ہیں؟
- 12 ۴۔ ”اردو غزل نے حسن و عشق کی ترجمانی کے ساتھ زندگی کے گونا گوں مسائل کو بھی پیش کیا ہے“ اس نظریے کی وضاحت کیجئے۔

##### 5. Translate into Urdu:

40

One day Sir Isaac Newton went out of his room leaving on the table a heap of papers containing his long research on the theory of light. There was on the floor of the room lying his pet dog, diamond. No sooner had he gone then the dog jumped upon the table and upturned the lighted candle and the papers immediately caught fire. Returning after a few minutes Newton found that all his hard labour of twenty years had been reduced to ashes. But the great scientist patted the dog on the head exclaiming, "Oh; Diamond, you don't know what you have done!"

2018

**NEPALI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORT, PRÉCIS WRITING,  
COMPOSITION AND TRANSLATION**

Time Allowed — 3 Hours

Full Marks — 200

*If the questions attempted are excess of the prescribed number, only the questions  
attempted first up to the prescribed number shall be valued  
and remaining ones ignored.*

*Candidates may use Devnagari Scripts in answering questions.*

1. Write a letter in about 150 words (*any one*): 40  
(Write XYZ for Name & Address)  
150 शब्दभित्र एउटा पत्र लेख्नुहोस् (तलका मध्ये कुनै एउटा) (नाम र ठेगाना XYZ लेख्नुहोस्)  
(क) भारतीय लोकतन्त्रका दुर्बल पक्ष  
(ख) अन्तरिक्ष अनुसन्धान कार्यमा भारतको यागदान  
(ग) पश्चिम बङ्गालमा सरकारको शिक्षा नीति र शिक्षाको स्तर
2. Draft a report in about 200 words (*any one*): 40  
(कुनै एउटा विषयमा 200 शब्दभित्र प्रतिवेदन लेख्नुहोस्)  
(क) 2018-को अन्तर्राष्ट्रिय फुटबल खेल (फिफा)  
(ख) भारतमा नारी तस्करी समस्या
3. Write a précis of the following (use the special sheet provided for the purpose): 40  
तलको गद्यांशको सारांश लेख्नुहोस् :  
मानव जीवनका जन्मै भौतिक वा अभौतिक चीजहरु को व्यवस्थापित समूहको इतिहास भाषामा पाइन्छ। बर्बर मानव चिन्ताशील व्यक्तिमा परिवर्तन भएको आश्चर्यजनक वृत्तान्त पाइन्छ। मान्छेले भाषाको सृष्टि गरेर आफ्ना मनमा आफु बसेको संसारको वास्तविक चित्र अङ्कित गर्न शुरु गर्‍यो। भाषालाई चित्रित अथवा लिखित आकार दिएर मान्छेले संसारको इतिहास अक्षय राख्ने प्रयास गर्‍यो औ यो प्रयास क्रमशः चलिरह्यो — चलिरहेको छ — चलिरहनेछ। कति पराक्रमी मानिस संसारमा जन्मे — कालान्तरमा तिनको स्मृति संसारदेखि लुप्त भयो। कति सुन्दरी रमणीका सौन्दर्यले संसार आलोकित भयो — समय को प्रवाहले त्यो सौन्दर्य अतल समुद्रमा पुऱ्याइदियो। कस्ता — कस्ता स्मृति — सौध निर्मित भए, कति साम्राज्य गठित भए — आज तिनको धूलो पनि संसारमा बर्तमान छैन। ता होमरका काव्य, वाल्मिकीका रचना तथा शेक्सपियरका कृतिका प्रत्येक अक्षर भाषामा अक्षुण्ण रहेका छन्।
4. तलका अवतरणहरुको भावविस्तार गर्नुहोस्: 20×2=40  
(क) इमान भनेको लाख हो धन भनेको खाक हो  
(ख) एकता नै बल हो

Please Turn Over



5. Translate into Nepali:

40

One day Sir Isaac Newton went out of his room leaving on the table a heap of papers containing his long research on the theory of light. There was on the floor of the room lying his pet dog, Diamond. No sooner had he gone than the dog jumped upon the table and upturned the lighted candle and the papers immediately caught fire. Returning after a few minutes Newton found that all his hard labour of twenty years had been reduced to ashes. But the great scientist patted the dog on the head exclaiming, "Oh; Diamond, you don't know what you have done!"

---







ඉඹවනු ලබන ඔබගේ භවික්ෂණයන් ඔබගේ ජීවිතයේ වෙනස්වීම්

වලට මෙන්ම ඉහත සඳහන් කර ඇත.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ වෙනස්වීම් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ වෙනස්වීම් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ වෙනස්වීම් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ වෙනස්වීම් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ වෙනස්වීම් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ වෙනස්වීම් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.

ඉන්ද්‍රිය මගින් ඔබගේ ජීවිතයේ.



